# रणनीतिक ऋतुएँ

Strategic Seasons

## उद्देश्य (OBJECTIVE)

हर सेवकाई, कलीसिया, और जीवन का एक विशेष **मौसम (season)** होता है।
यह प्रशिक्षण यह सिखाता है कि परमेश्वर हमें विभिन्न **आध्यात्मिक ऋतुओं** से कैसे ले जाता है — और हमें उनमें कैसे **बुद्धिमानी से पहचान**, योजना, और आगे बढ़ना चाहिए।

इस सिखावन का उद्देश्य यह समझाना है कि हमें हर मौसम का **रणनीतिक रूप से उपयोग** करना चाहिए, क्योंकि हर मौसम **आवश्यक**, **ईश्वर-नियुक्त**, और **फलदायक** हो सकता है।

---

## सारांश (OVERVIEW)

- सेवकाई और जीवन में विभिन्न आध्यात्मिक मौसम होते हैं
- हर मौसम का एक उद्देश्य होता है:
    1. **बीज बोने का समय**
    2. **विकास और परिक्षण का समय**
    3. **कटाई और फल का समय**
    4. **आराम और पुनःस्थापन का समय**
- हम हर मौसम में परमेश्वर के उद्देश्य को कैसे पहचानें:
    - **वचन और प्रार्थना** के माध्यम से
    - **समझ और धैर्य** से
    - **दल और मार्गदर्शकों** से संवाद कर

सही मौसम में सही उत्तर देना नेतृत्व की **बुद्धिमानी** है

मौसम बदलते हैं, लेकिन परमेश्वर का उद्देश्य **स्थिर** रहता है

## संदर्भित बाइबल वचन (VERSES REFERENCED)

- सभोपदेशक 3:1-8
- भजन संहिता 1:3
- 2 तीमुथियुस 4:2
- गलातियों 6:9

---

## अध्ययन के लिए प्रश्न (QUESTIONS FOR FURTHER STUDY)

1. आप वर्तमान में अपने जीवन या सेवकाई में किस मौसम में हैं? क्या यह स्पष्ट है?

2. आपने पिछले मौसम में परमेश्वर से क्या सीखा, और वह आपको इस समय कैसे तैयार कर रहा है?

3. आपके मौसम को समझकर, आप आज क्या रणनीतिक निर्णय ले सकते हैं?

4. आपकी दल या सेवकाई में मौसम को discern करने में कौन आपकी मदद कर सकता है?

---

## अधिक अध्ययन के लिए वचन पद (SCRIPTURE FOR FURTHER STUDY)

- नीतिवचन 20:4
- यूहन्ना 15:1-8
- यशायाह 43:18-19